बीएएनसी 102

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस)
चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी)

विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) मानव विज्ञान
विज्ञान स्नातक (प्रमुख) मानव विज्ञान

(बीएससीएएनएच/बीएससीएफएएन)

सत्रीय–कार्य

जुलाई 2025– जनवरी 2026 सत्र

पाठ्यक्रम कोड : बीएएनसी 102

सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिचय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदान गढ़ी,

नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन के दो भाग होते हैंः i) सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय** कार्य (**टी.एम.ए.**) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनसी–102: सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिचय** नामक कोर पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में प्रायोगिक नियमावली/ मैनुअल पर आधारित प्रश्न हैं। इन प्रश्नों से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि किसी परियोजना (प्रोजेक्ट) सिनोप्सिस का निर्माण कैसे करें और फील्ड परिस्थितियों में अपने ज्ञान, उपकरणों (टूल) व तकनीकों को लागू करने के अपने ज्ञान का परीक्षण करें।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम संदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवाय है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी हस्तलिखित सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

पूर्ण किए गए असाइमेंट को जमा करनाः

प्रवेश बैच	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**जमा करने का स्थान**
जुलाई 2025 में नामांकित छात्रों के लिए	30 अप्रैल 2026	शिक्षार्थी सहायता केंद्र के समन्वयक
जनवरी 2026 में नामांकित छात्रों के लिए	30 सितंबर 2026	

अपना सत्रीय कार्य जमा करने के लिए अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्र पर जाएँ और जमा किए गए सत्रीय कार्यों की रसीद प्राप्त करें और उसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक जिरॉक्स प्रति (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद शिक्षार्थी सहायता केंद्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर जोर दें। मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, को भेजने होते हैं।

हम अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशा–निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़ें। उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

ए) तार्किक और सुसंगत है;

बी) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही लिखा गया है।

3) प्रस्तुतिकरणः एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रष्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** उन बिंदुओं को रेखांकित कर सकते हैं जिन पर आप जोर देना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर है।

शुभकामनाओं के साथ !

मानव विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,नई दिल्ली

BANC 102: सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान का परिचय

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य

(TMA)

कोर्स कोड: बीएएनसी 102

असाइनमेंट कोड: बीएएनसी 102/ASST/TMA/ जुलाई 2025 और जनवरी 2026

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। आपको सभी अनुभागों में सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। **20x2= 40**

क. सामाजिक और सांस्कृतिक मानवविज्ञान के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा करें।

ख. मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य (फील्डवर्क) परंपरा का वर्णन करें।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें) **10X2=20**

क. संरचनात्मक–कार्यात्मकता पर चर्चा करें।

ख. नातेदारी, परिवार और विवाह पर एक नोट लिखें।

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। **2X5=10**

क. समाज

ख. मानवविज्ञान और अर्थशास्त्र के बीच संबंध

ग. प्रतीकात्मक दृष्टिकोण

घ. सामाजिक स्तरीकरण

ई. मार्गरेट मीड

सत्रीय कार्य – III

क. शहरी नृवंशविज्ञान से संबंधित कोई भी विषय चुनें। अपने अध्ययन के महत्व, अध्ययन की इकाई, विधियों, उपकरणों और तकनीकों पर जोर देते हुए सारांश तैयार करने के चरण लिखें। **20**

ख. संदर्भ शैली को सही करें, उन्हें वर्णानुक्रम में व्यवस्थित करें और पहचानें कि कौन सा संपादित पुस्तक से है । **10**

i. Srinivas, M. N. 2002. in Srinivas, A. M. Shah, and E. A. Ramaswamy (eds). *The Fieldworker and the Field: Problems and Challenges in Sociological Investigation*. Press. pp. 19-28. Delhi: Oxford University 'The Fieldworker and the Field: A Village in Karnataka',

ii. Oxford: The Clarendon Press Evans-Pritchard, E. E. 1940. *The Nuer.*

iii. Fortes. Meyer, 1969. *Kinship and the Social Order*. Aldine Publishers. Chicago:

iv. Channa, S.M, 2015. In V.K. Srivastava (edited). *Experiences of Fieldwork And Writing* (221-237) Serials Publication. Getting the Writer's Cramps! Making the Transition from Modernism to Post-modernism in Writing Anthropology. New Delhi:

v. Cultural anthropology (7 th ed.) Mead, M. 1964. Anthropology: A human science. New York: D. Van Nostrand Co., Inc. Miller, B.D. 2012. Pearson.